मूल्य 1 रु.
वर्ष: 14 - अंक : 5, मुंबई, सोमवार, 19 फरवरी, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल ®

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंड जुनियर कॉलेज का एन्युअल डे फंक्शन संपन्न

चिफ गेस्ट के तौर पर भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के महाराष्ट्र अध्यक्ष और पत्रकार संघ वेलफेयर एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट दिलशाद एस खान भी मौजूद रहे

(समाचार व चित्रमय छलकियां पृष्ठ 7 पर)

महाराष्ट्र में टमाटर की आड़ में...

प्याज की तस्करी

प्याज की तस्करी, अवैध रूप से भेजे जा रहे थे UAE

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। प्याज की बाजार कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्र सरकार ने 7 दिसंबर को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इससे किसानों के लिए प्याज की उत्पादन लागत निकालना मुश्किल हो गया, लेकिन प्याज निर्यात प्रतिबंध से व्यापारियों और प्याज तस्करों को फायदा हो रहा है। खुलासा हुआ है कि एक हजार रुपये प्रति क्विंटल प्याज से दस हजार रुपये तक की कमाई हो रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्याज को कस्टम विभाग ने किया जब्त

विशिष्ट खुफिया सूचना पर, इन कंटेनरों को एसआईआईबी नागपुर के अधिकारियों द्वारा मुंबई में रोककर रखा गया था। इन दोनों कंटेनरों की विस्तृत जांच करने पर पता चला कि 40 फीट के प्रत्येक कंटेनर में पहले चार या पांच फीट टमाटर थे, जो बक्सों में पैक थे। लेकिन बाकी कंटेनर में प्याज पाया गया, जो या तो 20 किलो की बोरी में थे या बक्सों को टमाटर के रूप में चिह्नित किया गया। चारों रीफर कंटेनरों में कुल 82 .93 मीट्रिक टन टमाटर पाए गए। सामान को कस्टम विभाग ने जब्त कर लिया है। कस्टम अधिकारियों की टीम ने मुंबई और नासिक में तस्करी रैकेट में शामिल निर्यातकों और सीमा शुल्क दलालों के परिसरों पर कई तलाशी ली। जिन कंटेनरों में उक्त सामान की तस्करी की जा रही थी, उनकी जांच से टमाटर की आड़ में प्याज की तस्करी का खुलासा हुआ।

अमरावती में भीषण हादसा

बस-ट्रक में टक्कर, 4 छात्रों की दर्दनाक मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां एक ट्रैवलर बस की ट्रक से भीषण टक्कर हो गई। बस में स्कूल के छात्र मौजूद थे। यह सभी छात्र क्रिकेट टूनार्मेंट खेलने जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 4 छात्रों की मौके पर ही मौत ही गई है। जबकि घायलों को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में जांच की जा रही है। घटना अमरावती जिले के शिंगणापुर गांव की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जांच में जुटी पुलिस : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और घायलों को नांदगांव खंडेश्वर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान एक और छात्र की मौत हो चुकी है।फिलहाल दूसरे घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। जबकि घायलों में कुछ छात्रों की हालत गंभीर होने की वजह से उन्हें अमरावती के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है। मौके पर मौजूद शव को पुलिस की टीम ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की टीम मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

हमारी बात

ममता सरकार पर दाग

संदेशखली कांड में तृणमूल सरकार के आचरण को उचित नहीं ठहराया जा सकता। उसे ऐसे गंभीर आरोप के मामले में अधिक तत्परता दिखानी चाहिए। विपक्षी प्रतिनिधिमंडलों को घटनास्थल पर जाने से रोकना तो सिरे से आपत्तिजनक है।

पश्चिम बंगाल का संदेशखली कांड ममता बनर्जी की सरकार पर एक गहरा दाग बनता जा रहा है। जिस तरह राज्य सरकार ने विपक्षी प्रतिनिधिमंडलों को इस गांव में जाने से रोका है, उससे यह धारणा और गहराई है कि वह कुछ छिपाना चाहती है। इस कांड में गंभीर आरोप तृणमूल कार्यकर्ताओं पर लगे हैं। उत्तर 24 परगना के गांव संदेशखाली की दर्जनों महिलाओं ने तृणमूल सदस्यों पर यौन उत्पीड़न के संगीन आरोप लगाए हैं। इन महिलाओं के सामने आने के बाद आठ फरवरी को से वहां विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। महिलाओं ने इल्जाम लगाया है कि तृणमूल कांग्रेस से जुड़े शेख शाहजहां और उसके कथित गिरोह ने यौन उत्पीड़न करने के अलावा उनकी जमीन के बड़े हिस्से पर जबरन कब्जा भी कर लिया है। गांव के कई लोगों ने आरोप लगाया है कि वहां पुरुषों को तृणमूल कांग्रेस की बैठकों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता था। अगर कोई इससे इनकार करता था, तो उनकी पत्नियों को धमकी दी जाती थी। शेख शाहजहां स्थानीय जिला परिषद के सदस्य भी हैं। जनवरी में जब ईडी की टीम उनके घर पर छापेमारी के लिए पहुंची, तब उनके समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया था। ईडी की टीम कथित राशन घोटाले से संबंधित मामले में उनके घर पर पहुंची थी। महिलाओं ने शेख शाहजहां के सहयोगियों शिबू हाजरा और उत्तम सरदार पर भी यौन उत्पीड़न में शामिल होने का आरोप लगाया है। सरदार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि हाजरा फरार है। मुमकिन है कि भारतीय जनता पार्टी ने राजनीतिक मकसद से इस कांड को बहु प्रचारित किया हो। मसलन, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के 12 फरवरी को संदेशखाली का दौरा करने को लेकर उठे सवाल वाजिब हैं। राज्यपाल ने उत्पीड़न का दावा करने वाली महिलाओं से मुलाकात की थी। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस के आचरण को उचित नहीं ठहराया जा सकता। उसे ऐसे गंभीर आरोप के मामले में अधिक तत्परता दिखानी चाहिए थी। विपक्षी प्रतिनिधिमंडलों को घटनास्थल पर जाने से रोकना तो सिरे से आपत्तिजनक है। ऐसे कदमों से पार्टी का दामन अधिक दागदार होता जाएगा।

भिवंडी में मुस्तहिक विधवाओं को राशन किट और कंबल की तकसीम

मुंबई हलचल/ संवाददाता

भिवंडी के लेट हाजी अल्लाह दिया अंसारी फाउंडेशन के अध्यक्ष जियाउल हसन अंसारी ने बताया कि गुज़िश्ता रोज फाउंडेशन के 2 बरस मुकम्मल होने पर खाड़ीपार इलाके के रसूलाबाद खोनी ग्राम पंचायत भिवंडी ठाणे महाराष्ट्र में मुस्तहिक विधवाओं के लिए कार्यक्रम का इनकाद किया गया, जिस में ऐसे लोग जिन के घर मे कमाने वाले अफराद नहीं हैं या जिनके घर में अपंग अफराद हैं ऐसे घरानों का सर्वे करके उन्हें राशन किट और कंबल दे कर उनकी मदद की कोशिश की गई, और उसके साथ ही जिला परिषद के खाड़ीपार के दोनो स्कूलोऔर मदरसा अरकम से आने वाले बच्चों की रैलियो और रास्ते से गुजर रहे बच्चों को फाउंडेशन की तरफ से तकरीबन 800 बच्चों को मिठाइयां और चॉकलेट के

पैकेट दिए गए और सभी बच्चों को लेट हाजी अल्लाह दिया अंसारी फाउंडेशन के बैच दिए गए, फाउंडेशन ने इस से पहले दीगर कई सामाजिक काम किए हैं मसलन भिवंडी के ही 52 स्कूलों और कॉलेजों के दसवीं और बारहवी के प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल करने वाले 150 छात्रों को (आदर्श छात्र पुरस्कार) दे कर हौसला अफजाई की, और मुंबई बांद्रा रंगशारदा ऑडिटोरियम में एक पुरस्कार समारोह किया गया जिसमें राजनीतिक, सामाजिक, और फिल्म उद्योग की अहम शख्शियत को पुरस्कार दे कर इज्जतअफजाई की गई, लेट हाजी अल्लाह दिया अंसारी फाउंडेशन के सदर जियाउल हसन अंसारी ने बताया कि फाउंडेशन, महिलाओं और बुजुर्गों की मदद करने के साथ-साथ, और शिक्षा , स्वास्थ्य के शोबे में काम करना चाहती है, फाउंडेशन के ठाणे जिला प्रभारी सदर श्री जयराम दास खत्री,और खजानची अफरोज जहां, शाहिद हुसैन, जीशान जिया, अदनान जिया, महेंद्र मुखिया, मौ हम्जा अनसारी ने बच्चों को इनाम से नवाजते हुए खुशी का इजहार किया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना कर आशीर्वाद दिया।

हत्यारे भी होते हैं राष्ट्रपति !

और प्रमाण व्लादिमीर पुतिन हैं। वह चेहरा, जो 1999 से रूस का सर्वशक्तिमान शासक है। सोचें, 25 वर्षों से राज है फिर भी मन ही मन इतना आतंकित जो जेल में बंद विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी को मरवा कर माना। क्यों? इसलिए कि जो व्यक्ति जितना सर्वशक्तिमान शासक होता है वह उतना ही डरपोक, भयाकुल होता है। हमेशा असुरक्षा में जीता है। सुरक्षा के अपने अभेद किले बनाता है। बावजूद वह दिमाग में निर्वासित, जेल में बंद विरोधी नेताओं या अपने ही कैबिनेट के लोगों तक पर शक-सुबहा किए रहता है। पुतिन इस मनोवृत्ति के फिलहाल नंबर एक उदाहरण हैं। सचमुच हर अधिनायकवादी सत्तासीन नेता ऊपर से भले अपने को सर्वशक्तिमान दिखाए लेकिन मन ही मन चौबीसों घंटे कुर्सी की फिक्र में होता है। विरोधियों को निशाना बनाता है। उन्हें जेल में डालता है। मरवाता है। यह सत्य खांटी तानाशाह देशों के नेताओं पर लागू है तो अर्ध-अविकसित लोकतंत्र से चुने हुए राष्ट्रपतियों-प्रधानमंत्रियों-सत्तातंत्रों पर भी लागू है।

सोचें, बगल के पाकिस्तान पर। इस राष्ट्र-राज्य में सेना शुरू से सर्वशक्तिमान है। मतलब असली राज सेना प्रमुख का। बावजूद इसके उसे कठपुतली सरकार चाहिए। फिर कठपुतली प्रधानमंत्री को मरा हुआ विपक्ष चाहिए। उसी के नतीजे का अब एक ताजा चुनावी तमाशा है। सर्वशक्तिमान सेना और उसके क्रूर इस्लामी कट्टरपंथियों को इमरान खान इसलिए बरदाश्त नहीं हुए क्योंकि उनका जमीर अचानक कुछ जागा। ध्यान रहे इमरान पहले सेना के आशीर्वाद से ही प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन सत्ता में बैठने के बाद उन्होंने अपने वजूद में सोचना शुरू किया और सेना से पंगा हो गया। नतीजतन सेना ने न केवल उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी से हटाया, बल्कि जेल में डाला। उनकी पार्टी को अवैधानिक घोषित किया। चुनाव नहीं लड़ने दिया। फिर भी जनता ने इमरान के साथ खड़े होकर उनके प्रतिनिधियों को बतौर निर्दलीय जिताया तो सेना को वह भी बरदाश्त नहीं। आर्मी चीफ सैयद आसिम मुनीर और सैन्य प्रतिष्ठान अब येन केन प्रकारेण ज्यादतियों के साथ वह हरसंभव कोशिश करते हुए हैं, जिससे इमरान जेल में रहें। आश्चर्य नहीं होगा यदि किसी दिन इमरान की हत्या की खबर आए!

गौर करें अगल-बगल के देशों पर। चीन के शी जिनफिंग, बांग्लादेश की शेख हसीना वाजेद, म्यांमार के सैनिक शासक से लेकर दुनिया के 195 देशों में से अधिकांश देशों के शासक चौबीसों घंटे विपक्ष-विरोधी

के खौफ में जिंदगी जीते हैं। और ऐसा मनुष्य की आदिम जंगली प्रवृत्ति से है। तभी मनुष्य जात के इतिहास में मर्यादा का रामराज्य, मर्यादा के राजा का उदाहरण अकेले श्रीराम का है, जबकि रावण का दशाननी अवतार अहंकार और तानाशाही के तमाम असुरी रूपों में मनुष्यों को जानवरों की तरह रखने में इतिहास रंगा हुआ है।

विषयांतर हो रहा है। पर याद करें मनुष्य के पिछले आठ हजार वर्षों के पौराणिक और ज्ञात इतिहास की कहानियों पर! सवा दो सौ साल पहले की ही तो बात है जब पूरे इतिहास में मनुष्यों की पहली बार हिम्मत हुई और फ्रांस की जमीन पर लोगों का मर्यादित शासन बनवाने (फ्रांस क्रांति) का बीड़ा बना। उससे पहले तो ज्ञात इतिहास निरंकुश सामंतों, बादशाहों, राजवंशों, राजाओं-रानियों-आतातायियों, हमलवारों का ही लिखा हुआ है। सो, राम कहां और कितने हुए? जबकि रावण और उसका अहंकार मानों मनुष्य की शाश्वत नियति! फिर फ्रांसीसी क्रांति के बाद (1999 से 2024 की अवधि) भी दुनिया के 195 देशों में से कितने देशों में मर्यादित व्यवस्था, राजनीति और सरकार है, जिसमें मर्यादित शासन की गारंटी है? और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गवर्नर, मुख्यमंत्री, मंत्री याकि शासक वर्ग रघुकुल रीत सदा चली आई की मनुष्यता के आचरणकर्ता। ऐसी गारंटी के मुश्किल से तीस-चालीस देश गिने जा सकते हैं। इस नाते होमो सेपियन का सफर संस्कृति-सभ्यता के निर्माणों के बावजूद मनुष्य जीवन के कुल अनुभवों में जंगल से जंगल की यात्रा है। चीन, रूस से लेकर इस्लामी देशों, लातीनी-अफ्रीकी-एशिया के देशों में मनुष्य ने भौतिक विकास भले पाया हो लेकिन मानव मानवीयता भरा समय नहीं भोगा। ये सारे देश बुनियादी तौर पर या तो रावण की स्वर्णिम लंका हैं याजंगल की कबीलाई व्यवस्था वाले हैं।

यदि एक-एक करके गिनें तो 140-150 देशों में रावण के दस मुखों के प्रतीक राक्षसी व्यवहार वाले राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री चेहरे दिखेंगे। चीन और रूस महाशक्ति हैं। विकास में झूमता असुरी शासकीय वर्ग सोने-चांदी के बरतनों में छप्पन भोग खाते हैं और नागरिकों को भी सुविधाएं हैं। लेकिन इनके अनुभवों और सत्ता के आचरण में, याकि पुतिन और शी जिनफिंग (इनके पूर्ववर्ती स्टालिन और माओ आदि) में क्या कभी कोई एक भी लक्षण मिला मर्यादा का? क्या किसी जगह व्यक्तियों की वैसी निर्भयता, अधिकार या हिम्मत के किस्से हैं, जैसी हिम्मत अयोध्या में एक धोबी को राजा राम से कहने की थी?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301, इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड, मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मालवणी कच्चा रोड कब बदलेगा पक्के रोड में

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सैकड़ो बार इस रोड पर नेताओं के हाथों नारियल फोड़े गए हैं मगर कच्चे रोड की हालत बदलती नहीं है आने जाने वाले राहगीरों की परेशानी बनी हुई है दुर्घटनाएं प्रतिदिन होती रहती हैं मगर कोई शुद्ध लेने वाला नहीं है सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े खड़े हैं कहीं सड़क पर स्पीड बेकार नहीं है इन सबके चलते मालवणी में आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं इसे मनपा प्रशासन की सुस्त चाल और लापरवाही ही कहा जाएगा जिससे सड़क सुधार परियोजना ठेकेदारों को सुधार की शुद्ध नहीं रहती है जिसके चलते बाइक सवार और ऑटो रिक्शा

चालकों के जीवन पर बड़ा खतरा मर्डरा रहा है न्यू कलेक्टर कंपाउंड में हॉस्पिटल का निर्माण होने के कारण यहां से बड़ी-बड़ी गाड़ियां भी गुजरती है मगर रोड की हालत आप तस्वीरों में देखेंगे आए दिन

बाइक सवार अपने बाइक को लेकर लड़खड़ा जाते हैं ऐसे में सड़क पर महानगर पालिका रोड डिपर्मेंट की अनदेखी के चलते अक्सर दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है इस सड़क पर चलते समय लोगों के मन में भया व्यस्त रहता है जब इस सड़क के बारे में एक स्थानीय निवासी सुधीर पवार से, बातचीत की गई तो उसने कहा इस सड़क पर चलना काफी खतरनाक है यहां आए दिन सड़क मैं अनेकों बड़े खड़े होने के कारण बाइक से गुजरने वाले रिक्शा चालकों को बड़ी मुश्किल होती है इसमें सरकार से लेकर मनप्पा तक सभी की मिली भगत दिखती है आए दिन इन सड़कों पर सैकड़ो नारियल फोड़े जाते हैं मगर इसके अच्छे दिन नहीं आते एमएलए एमपी विधायक नगरसेवक इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं मगर उन्हें यह खस्ताहाल कच्ची रोड की सड़के नजर नहीं आती।

महाराष्ट्र में पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए उप मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

...संगठन का वार्षिक कैलेंडर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को शशि दीप ने किया भेंट

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। मुंबई महाराष्ट्र बसंत पंचमी के पावन अवसर पर प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमती शशि दीप मुंबई ने महाराष्ट्र सरकार के उप मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात में श्रीमती शशि दीप ने संगठन द्वारा पत्रकारों हित में बनाए गए ज्ञापन को सौंपा जिसमे प्रमुखता से प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून की बहाली,पत्रकारों को आयुष्मान योजना का लाभ सहित करीब दर्जन भर बिंदुओं पर चर्चा हुई। देश भर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने संबंधी देशव्यापी

अभियान के अंतर्गत संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमती शशि दीप मुंबई द्वारा महाराष्ट्र सरकार के उप मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है।प्रदेश में पत्रकार समाज की सुरक्षा और उनके कल्याण के लिए महाराष्ट्र सरकार नियम कायदे कानून बनाए ताकि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के प्रहरी पत्रकार समाज निष्पक्ष पत्रकारिता को जीवित रख सकें। श्रीमती शशि दीप ने प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर 2024की प्रति भी भेंट की। इस अवसर पर श्रीमती शशि दीप ने उनके द्वारा संपादित तथा विश्व साहित्य सद्भाव परिषद द्वारा प्रकाशित 'साहित्य शिखा' की प्रति भी भेंट की।

अशफाक काजी की शिवसेना ऊप शाखा प्रमुख पद पर नियुक्ति होने पर रॉयल ग्रुप ने किया सत्कार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सांताक्रुज के सामाजिक कार्यकर्ता मिलनसार व्यक्ति अशफाक काजी इनकी शिवसेना उद्धव ठाकरे गट से सांताक्रुज के वार्ड नंबर 87 के उपशाखा प्रमुख पद पर नियुक्ति होने पर सांताक्रुज के रॉयल ग्रुप में अशफाक काजी को शाल और बुके देकर सत्कार करके सम्मानित किया इस वक्त प्रमुख उपस्थिति में रॉयल ग्रुप के प्रेसिडेंट जमील कुरैशी सांताक्रुज के सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल फहीम शेख, उस्मान लाला, पिंकी मैडम, सलीम फाउंडेशन के सलीम खान, इरशाद शेख, अजीम मैहदवी, रमजान भाई, रईस कुरैशी, आसिफ शेख, शफी शेख, निलेश कुमार सिंह, करीम लाला, नादिर कुरैशी, मुमताज काजी, मोइन कुरैशी, इन सभी लोगों ने अशफाक काजी को वार्ड नंबर 87 के ऊप शाखा प्रमुख बनने पर बधाई दी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में टमाटर की आड़ में प्याज की तस्करी

केंद्र सरकार द्वारा 7 दिसंबर को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद प्याज की औसत घरेलू बाजार कीमत 1200 रुपये से गिरकर 900 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, लेकिन विदेशों में प्याज का बाजार भाव 100 से 150 रुपये प्रति किलो यानी 10,000 से 15,000 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। इस कारण टमाटर की पेटी में प्याज की तस्करी करने का मामला सामने आया है। नासिक के दो व्यापारी टमाटर की आड़ में अवैध रूप से प्याज की तस्करी कर रहे थे। प्याज संयुक्त अरब अमीरात में भेज रहे थे। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर नागपुर सीमा शुल्क आयुक्तालय द्वारा 15 फरवरी को 82 ।93 मीट्रिक टन प्याज के अवैध निर्यात के एक मामले का पर्दाफाश किया है। मुख्य सीमा शुल्क आयुक्त, नागपुर जोन, के निर्देश पर सहायक आयुक्त अंजुम तडवी के नेतृत्व में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कुछ व्यापारी, जो अवैध रूप से प्याज का निर्यात करने का प्रयास कर रहे थे, इन पर दबिश दी गई। दो निर्यातकों के खिलाफ खुफिया जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई। नासिक से प्रत्येक कंटेनर में निर्यातकों ने माल को टमाटर घोषित किया था और इसे संयुक्त अरब अमीरात के लिए भेजा जा रहा था।

अमरावती में भीषण हादसा

यहां सुबह के करीब 8:30 से 9 बजे के बीच एक ट्रैवलर बस इस गांव के पास से होकर गुजर रही थी। इस बस में एक स्कूल के 23 छात्र क्रिकेट टूनामेंट खेलने अमरावती से यवतमाल जा रहा थे। बस अपनी नॉर्मल स्पीड पर जा रही थी। इस दौरान बस में बैठे लोगों को यवतमाल की ओर से एक सीमेंट मिक्सर ट्रक आता दिखाई दिया। यह ट्रक काफी स्पीड से बस की ओर आ रहा था। सामने से आ रहे इस ट्रक ने छात्रों से भरी इस बस को जोरदार टक्कर मारी, जिससे बस के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बस में मौजूद छात्र एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े। इस हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर गांव के लोग पहुंच गए। लोगों ने बस में मौजूद लोगों को बस से बाहर निकाला और उसके बाद पुलिस को कॉल कर पूरे मामले की जानकारी दी।

दक्षिण गोवा में शिवाजी की प्रतिमा लगाने को लेकर विवाद, छावनी में तब्दील हुआ गांव

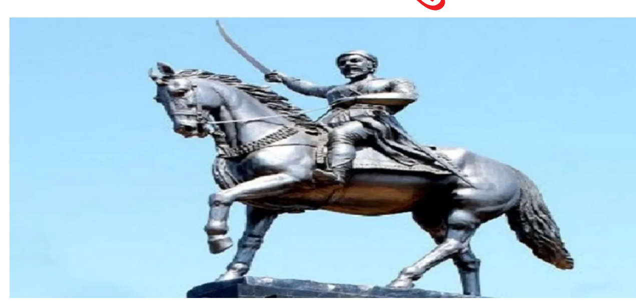

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। दक्षिण गोवा के साओ जोस डे एरियाल गांव में शिवाजी की प्रतिमा लगाने को लेकर विवाद पैदा हो गया है। गांव वालों के विरोध के बाद भी प्रतिमा लगाई गई है। गांव वालों की नाराजगी को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। दरअसल, शिवाजी महाराज की जयंती के निमित्त शिवाजी महाराज की विशाल काय प्रतिमा स्थापित करने के लिए स्थानीय लोग बड़ी संख्या में शिवाजी के नारे लगाते हुए पहुंचे तो गांव के ही कुछ लोगो ने विरोध शुरू कर दिया। जिसके बाद दोनो पक्ष आमने-सामने आ गए। हालांकि, किसी तरह की कोई अनहोनी नहीं हुई।

बताया जा रहा है कि गांव मूलतः कैथोलिक बेस है। यहां ज्यादातर क्रिश्चियन आबादी है। जानकारी के मुताबिक इसलिए गांव के लोग वहां प्रतिमा लगाने का विरोध कर रहे थे, लेकिन उनका तर्क था की प्रतिमा के लिए कानूनी तौर पर प्रशाशन की तरफ से कोई अनुमति नहीं ली गई है। इसके बाद भी शिवाजी की प्रतिमा स्थापित की गई है। लोगों के विरोध को देखते हुए दक्षिण गोवा एसपी की तरफ से बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन किया जाए। फिलहाल गांव में शांति है और पुलिस के जवानों की तैनाती कर दी गई है। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी को शिवाजीराजा, शिवाजीराजे, शिवाबा, शिवबाराजे, शिवा, शिवराय, शिवा जैसे कई नामों से जाना जाता है। शिवाजी के जन्मदिन को शिव जयंती के रूप में मनाया जाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज को संयुक्त रूप से शिव शंभू कहा जाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल को शिवकाल के नाम से भी जाना जाता है।

महामारी-काल में हुई थी ज्यादा भर्ती इसलिए अब छंटनी! : जकरबर्ग

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने दुनियाभर की टेक कंपनियों में जारी छंटनी के कारण बताए हैं। उन्होंने कहा कि छंटनी के फैसले दर्दनाक होते हैं। मगर, कंपनियों के आगे बढ़ाने के लिए यह एक जरूरी कदम होता है। छंटनी का पहला दौर कोविड-19 महामारी के बाद आया। यह महामारी के दौरान की गई ज्यादा भर्तियों के चलते हुआ।

मॉर्निंग ब्रू डेली को दिए गए एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में मेटा के सीईओ ने कहा कि महामारी के बाद अभी भी कंपनियां खुद को संभाल रही हैं। कोविड के दौरान ई-कॉमर्स सेल बहुत तेजी से ऊपर गई। मगर, अब लोग स्टोर्स में वापस लौट रहे हैं। इसके चलते आसमान में उड़ान भर रहे एडवरटाइजिंग रेट जमीन पर आ गिरे हैं। इसके चलते अब मेटा समेत कई कंपनियों को कॉस्ट कटिंग करनी पड़ रही है। हमें अपनी ओवर हायरिंग से निपटना जरूरी हो गया है।

दुनियाभर की टेक कंपनियों में चल रही छंटनी

कंपनियां अब बेहतर काम कर रही

हम अब ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर पा रहे हैं। कंपनी के स्टॉक भी ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। जकरबर्ग ने बताया कि वह अपनी कंपनियों में से मैनेजमेंट की कई लेवल कम कर रहे हैं। इंस्टाग्राम में टेक्निकल प्रोग्राम मैनेजर्स के पद को खत्म किया जा रहा है। इससे काम करने की क्षमता और प्रभावी हो रही है।

अच्छा टैलेंट खोया

मार्क जकरबर्ग ने कहा कि छंटनी के पीछे यही एक वजह नहीं है। कंपनियां अब महसूस कर रही हैं कि ऐसे कड़े फैसले उनके लिए बेहद जरूरी हैं। कई टेक कंपनियों ने शुरुआत में छंटनी के विचार को खारिज कर दिया था। मगर, उन्हें भी एहसास हुआ है कि ऐसा करना भविष्य के लिए बेहतर है। यह कठिन फैसला है क्योंकि हम सभी ने कुछ अच्छे टैलेंट को खो दिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत बड़ा फैक्टर नहीं

माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी कंपनियों ने जबरदस्त कमाई के बावजूद छंटनी की है। अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां भी ऐसे ही इरादे जता चुकी हैं। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। मगर, मार्क जकरबर्ग इसे ठीक नहीं मानते। उन्होंने कहा कि हमारी कंपनियों में छंटनी की बड़ी वजह एआई नहीं है। उन्होंने एप्पल को बड़ी प्रतिस्पर्धा मानते हुए कहा कि यह अच्छी कंपनी है। एप्पल अच्छा काम कर रही है। मगर, उन्होंने भरोसा दिलाया कि एप्पल की चुनौती का मेटा प्लेटफॉर्म्स डटकर सामना करेगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री चंद्रशेयर ने कहा- कंपनियां नियमों की करती है अनदेखी

पेटीएम बैंक पर कार्रवाई ने फिनटेक कंपनियों का ध्यान कानून के अनुपालन की ओर खींचा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. (पीपीबीएल) पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नियामकीय कार्रवाई ने वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों का ध्यान कानून के अनुपालन के महत्व की ओर खींचा है।

चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि नियामकीय अनुपालन कंपनियों के लिए 'वैकल्पिक' नहीं हो सकता, बल्कि यह एक ऐसा पहलू है जिसपर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए। चंद्रशेखर ने एक भेंट में कहा, पेटीएम पेमेंट्स बैंक का मुद्दा एक ऐसा मामला है जहां एक आक्रामक उद्यमी नियामकीय अनुपालन की जरूरत को महसूस करने में विफल रहा है, और कोई भी कंपनी अनुपालन से बच नहीं सकती है।

देश में कानून का पालन करना होगा

पेटीएम पेमेंट्स बैंक संकट के बीच मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानून का पालन करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है, और कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार कर दिया है।

कोई भी कंपनी हो उसे देश के कानून का पालन करना होगा

- नियामकीय अनुपालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता
- कोई भी कंपनी अनुपालन से बच नहीं सकती

अनुपालन देश के लिए विकल्प नहीं

नियामकीय अनुपालन दुनिया के किसी भी देश के लिए 'वैकल्पिक' नहीं है। निश्चित रूप से भारत में ऐसा नहीं है और उद्यमियों को इसपर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। चन्द्रशेखर ने आगे कहा कि उद्यमी आमतौर पर जो कुछ भी बना रहे हैं, उसपर इतना ध्यान केंद्रित करने लगते हैं कि कभी-कभी वे नियामकों द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी कर देते हैं।

पूरे फिनटेक कंपनियों के लिए चिंता बढ़ी

चंद्रशेखर ने कहा कि यह धारणा कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई ने फिनटेक क्षेत्र को परेशान कर दिया है, इसका सही चित्रण नहीं है। राजनीतिज्ञों, उद्यमियों और प्रौद्योगिकी दिग्गज इस बात से सहमत नहीं है कि पेटीएम बैंक मुद्दे ने पूरे फिनटेक उद्योग के लिए चिंता बढ़ा दी है।

कार्रवाई से फिनटेक कंपनियां परेशान

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा, 'यह धारणा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामक की कार्रवाई ने फिनटेक को परेशान कर दिया है...मुझे नहीं लगता कि इसका सही चित्रण है। चंद्रशेखर ने कहा, "मुझे लगता है कि इसने फिनटेक उद्यमियों का ध्यान इस तथ्य की ओर खींचा है कि आपको यह भी जानना होगा कि कानून का अनुपालन कैसे करना है।

पेटीएम संचालक व सीओ की 51 फीसदी हिस्सेदारी

वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीपीबीएल की चुकता शेयर पूंजी (सीधे और अपनी अनुषंगी कंपनी के माध्यम से) का 49 प्रतिशत हिस्सा है। पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा की बैंक में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

फंसी कंपनियों को बंद करने मिला समय

रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल के ग्राहकों और दुकानदारों को अपने खाते 15 मार्च तक अन्य बैंकों में स्थानांतरित करने को कहा है। इसके साथ केंद्रीय बैंक ने संकट में फंसी कंपनी को अपने ज्यादातर परिचालन को बद करने के लिए 15 दिन का और समय दे दिया है।

विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया की लत से मुक्ति दिलाने के रास्ते खोजे

- एनी मार्गरेट और निकोलस हंकिन्स, कोलोराडो बोल्डर यूनिवर्सिटी ने किया शोध

बोल्डर (अमेरिका)। कई लोग सोशल मीडिया की लत की तुलना सिगरेट से करते हैं। वे कहते हैं कि सोशल मीडिया पर कितने लाइक मिले इसे देखने की इच्छा एक नयी तरह की 'धूम्रपान की तलब' है। अन्य का मानना है कि सोशल मीडिया पर बेचैनी नयी प्रौद्योगिकियों के बारे में नैतिक घबराहट का अगला दौर है। हम अनुसंधानकार्तओं की जोड़ी हैं जो जिसने जांच की कि सोशल मीडिया युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है। 75 प्रतिशत से अधिक किशोर हर घंटे अपने फोन को देखते हैं और उनमें से लगभग आधे कहते हैं कि उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने उपकरणों के आदी हो गए हैं। बहुत से लोग अब भी ऑनलाइन बिताए गए समय को लेकर असहज महसूस करते हैं और अक्सर आश्चर्य करते हैं कि क्या वे आदी हैं। वर्षों के अनुसंधान ने हमारी टीम को इस निष्कर्ष पर पहुंचाया है: शायद एक बेहतर तरीका यह है कि आप मीडिया इस्तेमाल को आहार के रूप में देखें। जिस तरह स्वस्थ आहार लेने के कई तरीके हैं, उसी तरह स्वस्थ और वैयक्ति केंद्रित सोशल मीडिया आदतें विकसित करने के भी कई तरीके हैं। सोशल मीडिया के उपयोग पर 2010 के शुरुआती अनुसंधान शरीर पर प्रभाव, खाने की आदतों में विकार और सामाजिक तुलना कर नकारात्मक प्रभाव दिखाते हैं। इसके विपरीत, अन्य अध्ययन सोशल मीडिया के मानसिक स्वास्थ्य लाभों की ओर इशारा करते हैं, जिसमें सामाजिक बेहतरी, मजबूत दोस्ती और विविध दृष्टिकोणों का सुलभ होना शामिल है। एक मुद्दा यह है कि उपयोगकर्ताओं द्वारा अनुभव किया जाने वाला तनाव, चिंता और आत्म-सम्मान की चुनौतियां हर पल अलग-अलग इस पर आधारित हो सकती हैं कि वे क्या देख रहे हैं।

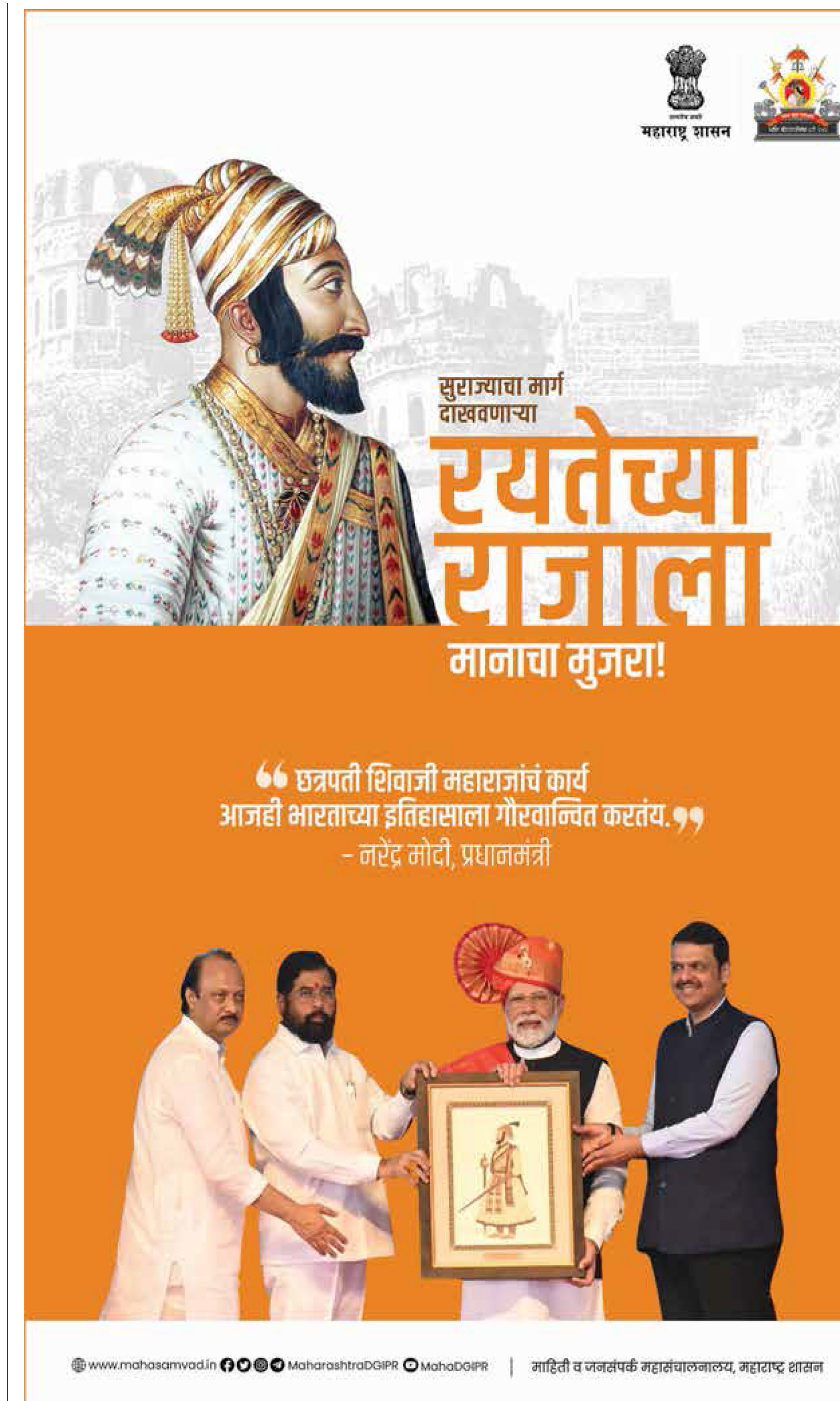

DGIPR/2023-24/8422

उत्तराखंड हलचल

हल्द्वानी बनभूलपुरा दंगे को लेकर ख्वाजा हाफिज सय्यद मेराज हुसैन साबरी ने की जनता से की शांति और भाई चारा बनाए रखने की अपील

शांति से ही देश की भलाई है : सय्यद मेराज हुसैन साबरी

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

पिरान कलियर हरिद्वार। शनिवार को दरगाह हजरत ख्वाजा हाफिज शमसुद्दीन तुर्क पानीपती रहमतुल्ला अलेय के सज्जादा नशीन व हरियाणा राज्य हज कमेटी सदस्य एवं भाजपा अल्संख्यक मोर्चा सूफी संवाद महाभियान प्रदेश प्रभारी हरियाणा पंजाब चंडीगढ़ ख्वाजा हाफिज सय्यद मेराज हुसैन साबरी ने पिरान कलियर स्थित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा है कि हल्द्वानी बनभूलपुरा में जो दंगा हुआ है वे निंदनीय है हम इसकी पुरजोर मजम्मत करते और जनता से अपील करते है की शांति बनाए रखे और शांति बहाली में शासन प्रशासन का सहयोग करे,और जो इस दंगे में शामिल है उनको जांच के माध्यम से सख्त से सख्त सजा दी जाए। और जो लोग निर्दोष है उनको झूठे मुकदमों में न फंसाया जाए।जिससे हमारे प्रदेश में अमन चैन का माहोल बना रहे।

और हमारा हंदुस्तान एक मोहब्बत का गुलदस्ता जिसमें हर तरह के फूल है। और जिनके पूर्वजों ने इस खूबसूरत हिसुस्तान को बनाने में अपना अपना योगदान दिया है इसको आजाद कराने में हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी ने अपनी अपनी जानो को कुर्बान कर इसको आजाद कराया था और तभी से सब एक साथ प्यार मोहब्बत के साथ रहते चले आ रहे है।आगे उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से एक गुजारिश करते हुए कहा है कि हल्द्वानी बनभूलपुरा में जो गरीब मजदूर तबके के लोग है उनके सामने रोजी रोटी का बहुत बड़ा संकट पैदा हो रहा है जिसमे परिवार के छोटे छोटे बच्चे और बूढ़े भी शामिल है जो प्रति दिन मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करते है उन पर ध्यान दिया जाए और उनको अपने अपने कार्यों पर जाने के लिए विचार विमर्श करते हुए सहूलियात फरहाम की जाए। ख्वाजा हाफिज सय्यद मेराज हुसैन साबरी ₹सज्जादा नशीन₹ दरगाह हजरत ख्वाजा हाफिज शमसुद्दीन तुर्क पानीपती रहमतुल्ला अलेय पानीपत हरियाणा।

बटरोही को मिलेगा दीर्घकालीन साहित्य गौरव सम्मान

सुशील उपाध्याय को शैलेश मटियानी कथा सम्मान

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

देहरादून। उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा वर्ष 2023 के साहित्य पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इस बार दीर्घकालीन साहित्य सृजन के लिए साहित्यकार बटरोही को सुमित्रानंदन पंत साहित्य गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा। कथा साहित्य के लिए डॉ. सुशील उपाध्याय को शैलेश मटियानी सम्मान दिया जाएगा। उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा जारी किए गए विवरण के अनुसार 10 विभिन्न श्रेणियां में प्रदेश के साहित्यकारों को साहित्य गौरव सम्मान के लिए चुना गया है। इन सभी साहित्यकारों को 21 फरवरी को देहरादून में होने वाले समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाषा मंत्री सुबोध उनियाल द्वारा सम्मानित किया जाएगा।इसी अवसर पर संस्थान की पत्रिका केदार मानस का विमोचन किया जाएगा, जिसका संपादन पूर्व कुलपति प्रो. सुधा पांडेय ने किया है। उत्तराखंड भाषा संस्थान की निदेशक स्वाति एस.भदौरिया के अनुसार, दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार के लिए जाने-माने साहित्यकार प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह बिष्ट बटरोही का चयन किया गया है। इस श्रेणी में लेखक को स्वयं आवेदन नहीं करना होता, बल्कि अन्य लेखकों अथवा विद्वानों द्वारा साहित्यकारों की अनुशंसा की जाती है। जबकि अन्य श्रेणियों में लेखकों को स्वयं आवेदन करना होता है इस वर्ष कुमाऊनी लोक साहित्य में दीर्घकालिक साहित्य सृजन के लिए गुमानी पंत पुरस्कार देवकीनंदन

भट्ट को प्रदान किया जाएगा। गढ़वाली लोक साहित्य में दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए भजन सिंह 'सिंह' पुरस्कार गिरीश सुंदरियाल को प्रदान किया जाएगा। कुमाऊनी तथा गढ़वाली से भिन्न बोलियां एवं उप बोलियां में दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए गोविंद चातक पुरस्कार डॉ. सुरेश ममगाई को देने का निर्णय लिया गया है। मौलिक पुस्तक लेखन श्रेणी में कथा साहित्य वर्ग में डॉ. सुशील उपाध्याय को उनके उपन्यास 'सुनो, सबरीना' के लिए शैलेश मटियानी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह उपन्यास एक उज्बेकिस्तानी लड़की के संघर्ष की कहानी है। अब तक डॉ. सुशील उपाध्याय की 18 किताबें प्रकाशित हुई हैं। महाकाव्य, खंडकाव्य एवं काव्य रचना के लिए महादेवी वर्मा पुरस्कार प्रोफेसर शैलेश को देने का निर्णय लिया गया है। अन्य गद्य विधा की श्रेणी में डॉ. पीतांबर दत्त बड़वाल पुरस्कार के लिए डॉ. ललित मोहन पंत का चयन किया गया है। साहित्यिक पत्र- पत्रिका लेखन हेतु पंडित भैरवदत्त धूलिया पुरस्कार के लिए गणेश खुगशाल को चुना गया है। वे नियमित रूप से साहित्यिक विषयों पर लिखते हैं। इनके अलावा उर्दू साहित्य में दीर्घकालीन साहित्य लेखन के लिए प्रसिद्ध शायर नदीम बरनी को प्रोफेसर उनवान चिश्ती पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पंजाबी साहित्य में दीर्घकालिक साहित्य सेवा के लिए लेखक प्रेम साहिल को चुना गया है। इन्हें अध्यापक पूर्ण सिंह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इन सभी श्रेणियों में पुरस्कृत लेखकों को सम्मान-पत्र, स्मृति चिह्न एवं निर्धारित राशि भेंट की जाएगी।

जिलाधकारी ने समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

देहरादून। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के संपादनार्थ जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में आज ऋषिपर्णा सभागार, कलेक्ट्रेट, देहरादून में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में जनपद की समस्त विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के वर्तमान में अनुमोदित मतदेय स्थलों के भवन जीर्ण-शीर्ण होने/विद्यालयों के उच्चीकरण / मतदेय स्थल के भवन के नामों में परिवर्तन/ मतदेय स्थलों पर निर्धारित मानक से अधिक मतदाता होने के फलस्वरूप सहायक मतदेय स्थलों के रूप में वृद्धि, संशोधन / परिवर्तन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श हेतु जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं निर्वाचक / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों आदि के साथ कार्यालय में ई.आर.ओ./ए.ई.आर.ओ. कार्यालयों से प्राप्त संशोधन प्रस्तावों के संबंध में चर्चा की गई।

पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी पहुंचे चंपत राय श्रीमहंत रविंद्र पुरी से लिया आशीर्वाद

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। श्री राम जन्मभूमि न्यास क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने रविवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी से आशीर्वाद लिया। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी पहुंचने पर श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने चंपत राय को मां की चुनरी ओढ़ कर स्वागत किया। दोनों के बीच राम मंदिर समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। अखाड़े में चुनरी ओढ़ाकर मां गंगा की मूर्ति भेंट करते हुए श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि उनका अगला जन्म किसी महामनीषी के रूप में तो चंपत राय जैसा हो। जिन्होंने भगवान राम के साक्षात हनुमान बनकर अयोध्या में राम मंदिर की पूरी कार्य योजना को संपूर्ण किया। उन्होंने चंपत राय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरि ने श्री राम जन्मभूमि न्यास क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय का माला पहनाकर स्वागत कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर चंपत राय ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी का आभार जताते हुए कहा कि वे जब भी हरिद्वार आते हैं, पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी जाकर श्रीमहंत रविंद्र पुरी का आशीर्वाद लेना नहीं भूलते। कहा कि राम मंदिर आंदोलन की भूमिका ही पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में होने वाली बैठकों में बनती थी। पूरे संत समाज के सहयोग से आज राम लला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। प्रांत संगठन मंत्री अजय जी,भाजपा नेता डॉक्टर विशाल गर्ग,मयंक चौहान,भोला शर्मा आदि मौजूद रहे।

खाते सीज हुए तो भड़के कांग्रेसी

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

रुड़की हरीद्वारार। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं राष्ट्रीय युवा कांग्रेस कमेटियों के बैंक खातों को मोदी सरकार द्वारा बिना किसी कारण के फ्रिज किए जाने के विरोध में आज रुड़की महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा आयकर विभाग के कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की इस मौके पर पर महानगर कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी एडवोकेट ने कहा की केंद्र की मोदी सरकार पूरी तरह से तानाशाही पर उतर आई है इसीलिए कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रिज किया जा रहा है। उन्होंने कहा की आज देश की सभी एजेंसियां मोदी सरकार के दबाव में काम कर रहीं हैं जबकि सभी एजेंसियों को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए।महानगर अध्यक्ष ने कहा की आज मोदी सरकार विपक्ष को खत्म करने पर उतर गई है एक साजिश के तहत विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है जबकि हकीकत यह है की भाजपा की इस देश से बिदाई हो रही है। उन्होंने कहा की आगामी लोकसभा चुनाव में परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा की ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का खौफ दिखाकर विपक्षी पार्टी के नेताओं को डराया और धमकाया जा रहा है लोकतंत्र को मिटाया जा रहा है कांग्रेस के लोगों को परेशान किया जा रहा है जिसे कांग्रेस कार्यकर्ता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे।उन्होंने कहा की कांग्रेस आयकर विभाग से डरने वाली नहीं है छह हजार करोड़ वाले लोगों पर कोई कार्यवाही नहीं जबकि सौ करोड़ वालों पर छापेमारी ये किस आधार पर हो रहा है अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा कांग्रेस अब सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस मौके पर कांग्रेस विधायक फुरकान अहमद ने कहा की कांग्रेस पार्टी देश पर कुर्बान होने वाले बलिदानियों की पार्टी है कुछ लोग इस पार्टी को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरविंद प्रधान ने कहा की भाजपा सरकार को आम जनता किसानों और व्यापारियों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है भाजपा सरकार के इशारे पर देश की एजेंसियां लोगों को परेशान करने में लगी हैं अब कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की बड़ी साजिश है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंड जुनियर कॉलेज का एन्युअल डे फंक्शन संपन्न

चिफ गेस्ट के तौर पर भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के महाराष्ट्र अध्यक्ष और पत्रकार संघ वेलफेयर एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट दिलशाद एस खान भी मौजूद रहे

मुंबई हलचल/संवाददाता

पालघर। पालघर जिले के वसई तालुका के चिंचोटी नाका गोरात पाडा में आयशा एड्युकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज का एन्युअल डे फंक्शन हुआ। जिसमें स्कूल के बच्चों ने अलग अलग गानों पर डांस परफॉर्मेंस किया और वहां मौजूद लोगों का दिल जीता। चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज के चेयरमैन सामरान कमाल मिर्जा, सेक्रेटरी कौसर इकबाल शैख, प्रिंसिपल आफरीन सामरान मिर्जा, स्कुल टीचर्स, बच्चों के पेरेंट्स मौजूद रहे। साथ में इस मौके पर मुख्य महेमानों में दैनिक मुंबई हलचल के संपादक, भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के महाराष्ट्र अध्यक्ष और पत्रकार संघ वेलफेयर एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट, दिलशाद एस खान, गांव के सरपंच कमलाकर जाधव, प्रोफेसर फरहान मकबा, बॉलीवुड एक्ट्रेस नाज अंसारी, हाशीर (तातीया) पटेल, एडवोकेट दिनेश म्हात्रे, डॉक्टर निर्मला ठाकुर, विकास पाटील, के साथ साथ कई नामी गिरामी सख्सियात मौजूद रहे। चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज की तरफ से आए हुए सभी महेमानों को सर्टिफिकेट और गुलदस्ता देकर और शोल पहेनाकर शानदार सम्मान किया गया। चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज की तरफ से आए हुए सभी महेमानों के हाथों से स्कुल के बच्चों का भी सर्टिफिकेट और गोल्ड मेडल देकर शानदार सम्मान किया गया। अंत में चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज की तरफ से आए हुए सभी महेमानों का आभार व्यक्त किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' का बनेगा सीक्वल

सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' को 6 साल पूरे हो चुके हैं। साल 2015 में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से ढेर सारा प्यार मिला था। फिल्म में भाईजान और मुन्नी की केमेस्ट्री लोगों को काफी पसंद आई थी। फिल्म में सलमान खान, करीना कपूर, हर्षाली मल्होत्रा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। वही अब इस फिल्म के सीक्वल को लेकर खबर सामने आई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान लेखक केवी विजेंयद्र प्रासद ने बजरंगी भाईजान के सीक्वल की ओर इशारा दिया है। उन्होंने कहा कि वह 'बजरंगी भाईजान 2' की प्लानिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी पर काम चल रहा है। खबरों के अनुसार केवी विजेंयद्र प्रसाद ने कहा कि जब मैंने यह आइडिया सलमान के साथ शेयर किया तो वह काफी एक्साइटेड दिखें। फिलहाल मैं इस कहानी को आगे ले जाने के लिए शानदार शुरूआत करना चाहता हूं। कुछ दिन पहले जब मैं सलमान खान से कैजुएली मिला था। तब मैंने उन्हें 'बजरंगी भाईजान 2' सीक्वल के बारे में बताया था।

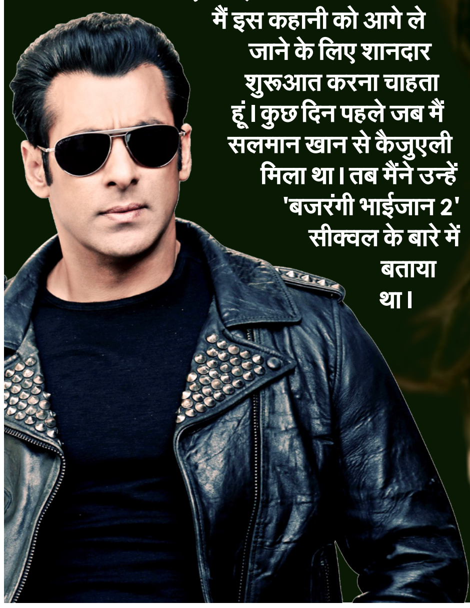

किच्चा सुदीप की फिल्म में हुई जैकलीन फर्नांडिस की एंट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। वही अब जैकलीन की लिस्ट में एक और फिल्म शामिल हो गई है। वह साउथ स्टार किच्चा सुदीप के साथ फिल्म 'विक्रांत रोणा' में नजर आने वाली हैं। ये किच्चा सुदीप की पहली पैन इंडिया रिलीज फिल्म है। किच्चा सुदीप ने जैकलीन फर्नांडिस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर इस बात का खुलासा किया है। जैकलीन इन तस्वीरों में किच्चा के साथ बेहद मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रही हैं। विक्रांत रोणा एक एडवेंचर्स फिल्म है। जिसमें किच्चा सुदीप नए अवतार में दिखने वाले हैं। इस फिल्म को निर्माता 3डी वर्जन में बनाने वाले हैं। बीते दिनों ही फिल्म का लोगो निर्माताओं ने दुबई के बुर्ज खलीफा पर जारी किया था। फिल्म के निर्देशक अनूप भंडारी हैं। खबरों के अनुसार इस फिल्म को लेकर जैकलीन ने कहा, विक्रांत रोणा एक महत्वाकांक्षी फिल्म है जो एक ऐसी कहानी को बताने का इरादा रखती है जो दुनिया भर से अलग दिखे। मुझे बेहद खुशी है कि इस एक्शन एडवेंचर फिल्म के लिए मुझे साइन किया गया है। जैकलीन फर्नांडिस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में रैपर बादशाह के गाने पानी पानी में नजर आई थीं। वह जल्द ही फिल्म भूत पुलिस में काम करती नजर आएंगी। इसके अलावा वह रामसेतु, बच्चन पांडे, सर्कस और किक 2 में भी नजर आने वाली हैं।

होठों की वजह से ट्रोल हुईं आयशा टाकिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आयशा टाकिया ने साल 2004 में फिल्म 'टारजन द वंडर कार' से डेब्यू किया था। आयशा भले ही लंबे वक्त से पर्दे से दूर हो लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। आयशा टाकिया इन दिनों अपनी फेशियल सर्जरी की

वजह से सुर्खियों में हैं। उन्हें कई बार अपनी फेशियल सर्जरी की वजह से आलोचना झेलनी पड़ी है। अब एक बार फिर आयशा को इस वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में आयशा टाकिया ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह शीशे के सामने अपनी सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में आयशा के होंठ काफी मोटे नजर आ रहे हैं और उनके चेहरा काफी अजीब लग रहा है। जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था तब उनका चेहरा ऐसा नहीं था। कई यूजर्स आयशा का यह वीडियो देखकर कह रहे हैं कि उन्होंने अपना चेहरा बिगाड़ लिया है। एक यूजर ने लिखा, क्या हो गया है तुम्हें मैडम, क्या थे और क्या हो गए। एक अन्य ने लिखा, इसने तो अपना चेहरा ही बिगाड़ लिया है। वही एक यूजर ने लिखा, अरे यार क्या किया लिप्स का। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब आयशा टाकिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले भी अपने लुक को लेकर आयशा को जमकर ट्रोल किया जा चुका है।

दीपिका पादुकोण ने अपने नाम की एक और बड़ी उपलब्धि

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण कई उपलब्धियां अपने नाम कर चुकी हैं और अब नवीनतम गाला बिंगो रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें हाल ही में फिल्म/टीवी में एशिया की सबसे प्रभावशाली महिला का नाम दिया गया है। यूके में 137 से अधिक क्लबों का दावा करने वाले गाला ने हाल ही में सोशल मीडिया फॉलोइंग से लेकर गूगल रिसर्च और मीडिया मेंशन्स तक विभिन्न रैंकिंग कारकों के आधार पर दुनिया भर की प्रभावशाली महिलाओं की अपनी सूची जारी की है। इस स्टडी में संगीत, टीवी और फिल्म, ब्यूटी, राजनीति व बिजनेस सहित विभिन्न स्ट्रीम्स से दुनिया के 100 सबसे बड़े देशों के सबसे प्रभावशाली नामों की पहचान की गई है। प्रत्येक कॉन्टिनेंट और इंडस्ट्री पर एक विस्तृत रिपोर्ट में, दीपिका पादुकोण 'एशिया की सबसे प्रभावशाली महिला' के तहत सोशल मीडिया पर 139 मिलियन फॉलोइंग (रिपोर्ट जारी होने के समय) के साथ टॉप पर छाई हुई हैं। 'टीवी और फिल्म' सेक्शन के तहत, स्टार ने एंगेजमेंट रेट (इंस्टा), इंप्रेशन पर ट्वीट, 3 मिलियन गूगल रिसर्च और अधिकांश मीडिया मेंशन्स जैसे क्राइटेरिया में सबसे अधिक सर्च किया गया है। इसी के साथ दीपिका पादुकोण अब अरियाना ग्रांड, किम कार्दशियन, एडेल और सेलीन डायोन जैसे नामों के साथ जुड़ गई हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह अंतर्राष्ट्रीय एंडोर्समेंट की भारतीय रानी हैं, जो लिवाइस, नाइकी, टिसोट और चोपार्ड जैसे ब्रांडों के लिए पहली भारतीय वैश्विक ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं।